www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 भागवत को क्यों दी जा रही है धर्म गुरु...
3 मिथिला के सर्वोच्च सम्मान मिथिला रत्न से सम्मानित...
4 मुख्यमंत्री ने गांवों में जलापूर्ति बढ़ाने के लिए...

वर्ष: 9 | अंक: 64 | दिल्ली, शनिवार, 28 दिसम्बर 2024 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार आज

हमने एक ऐसा नेता खो दिया है जो ज्ञान, बड़प्पन और विनम्रता का प्रतीक था-सोनिया गांधी

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा नेता और सांसद राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति में बैठक हुई। यह बैठक पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए बुलाई गई थी। वहीं, कांग्रेस ने केंद्र से मांग की है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के लिए दिल्ली में यमुना नदी के किनारे स्थल दी जाए, जहां कई पूर्व प्रधानमंत्रियों के स्मारक हैं।

कांग्रेस का साफ तौर पर मानना है कि दिवंगत पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के लिए उनके कद के अनुसार अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए उचित स्थान दिया जाना चाहिए। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार 28 दिसंबर सुबह 11:45 बजे निगम बोध घाट पर किया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि कांग्रेस कार्य समिति एक सच्चे राजनेता डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करती है, जिनके जीवन और कार्य ने भारत की नियति को गहराई से आकार दिया है। डॉ. सिंह भारत के राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य में एक महान व्यक्ति थे, जिनके योगदान ने देश को बदल दिया और उन्हें दुनिया भर में सम्मान मिला। 1990 के दशक की शुरूआत में वित्त मंत्री के रूप में, डॉ. सिंह भारत के आर्थिक उदारीकरण के वास्तुकार थे।

इसमें आगे कहा गया कि बेजोड़ दूरदर्शिता के साथ, उन्होंने सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की, जिसने न केवल देश को भुगतान संतुलन संकट से बचाया बल्कि वैश्विक बाजारों के लिए दरवाजे भी खोले। विनियमन, निजीकरण और विदेशी निवेश को प्रोत्साहन की अपनी नीतियों के माध्यम से, उन्होंने भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि की नींव रखी। उनके नेतृत्व में, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उभरा, जो उनकी प्रतिभा और दूरदर्शिता का प्रमाण है। मनमोहन सिंह के

निधन पर सोनिया गांधी ने भी बड़ा संदेश लिखा है। उन्होंने लिखा कि डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से, हमने एक ऐसा नेता खो दिया है जो ज्ञान, बड़प्पन और विनम्रता का प्रतीक था, जिसने पूरे दिल और दिमाग से हमारे देश की सेवा की। कांग्रेस पार्टी के लिए एक चमकदार और प्रिय मार्गदर्शक, उनकी करुणा और दूरदर्शिता ने लाखों भारतीयों के जीवन को बदल दिया और सशक्त बनाया। उनके शुद्ध हृदय और उत्कृष्ट दिमाग के कारण उन्हें भारत के लोग बहुत प्यार करते थे।

गांधी ने कहा कि उनकी सलाह, बुद्धिमत्तापूर्ण सलाह और विचारों की हमारे देश के राजनीतिक क्षेत्र में उत्सुकता से मांग की जाती थी और उन्हें गहराई से महत्व दिया जाता था।

प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की

(एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को उनके आवास पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'भारत, देश के प्रति उनके योगदान का हमेशा स्मरण रखेगा।' प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया: 'डॉ. मनमोहन सिंह जी को उनके आवास पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत, देश के प्रति उनके योगदान का सदैव स्मरण रखेगा।'

'मनमोहन सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था को नयी दिशा दी'

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने ऐसे समय में केंद्रीय वित्त मंत्री के रूप में अर्थव्यवस्था की बागडोर संभाली थी जब देश आर्थिक मोर्चे पर संकट का सामना कर रहा था। कोलकाता में एक कार्यक्रम में कोविंद ने सिंह के निधन को अपनी व्यक्तिगत क्षति बताते हुए कहा कि सिंह विनम्रता के प्रतीक थे। कोविंद ने कहा, उन्होंने कभी आपत्तिजनक, असंसदीय शब्द नहीं बोला। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि सिंह ने अर्थव्यवस्था को एक नयी दिशा दी और देश को एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंचाया। कोविंद ने कहा, मनमोहन सिंह को आधुनिक निर्माता सुधारक के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने सिंह को

विज्ञान और आध्यात्म का एक ऐसा मिलाजुला रूप बताया जिसमें भारत के मूल्य और संस्कार गहरे तक रचे-बसे थे। भारत में आर्थिक क्रांति लाने वाले सिंह का बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली के एम्स में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। सिंह 2004 से 2014 तक देश के प्रधानमंत्री थे।

कांग्रेस ने अपने सभी कार्यक्रम सात दिन के लिए रद्द किए

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सम्मान में अपने सभी आधिकारिक कार्यक्रमों को सात दिन के लिए रद्द कर दिया है। मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। वह 92 साल के थे। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के सम्मान में, स्थापना दिवस समारोह सहित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सभी आधिकारिक कार्यक्रम अगले सात दिन के लिए रद्द कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसमें सभी आंदोलनात्मक और संपर्क कार्यक्रम शामिल हैं। वेणुगोपाल ने बताया, पार्टी के कार्यक्रम 3 जनवरी, 2025 को फिर से शुरू होंगे। शोक की इस अवधि के दौरान पार्टी का झंडा आधा झुका रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

बठिंडा में बड़ा बस हादसा, 8 लोगों की मौत

बठिंडा (एजेन्सी)। पंजाब के बठिंडा में शुक्रवार को एक बस दुर्घटना में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, बठिंडा शहरी विधायक जगरूप सिंह गिल ने कहा कि पांच की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन ने इलाज के दौरान गंभीर चोटों के कारण दम तोड़ दिया। गिल को बठिंडा के सिविल सर्जन डॉ. रमनदीप सिंगला ने जानकारी दी, जब विधायक ने बठिंडा शहर के शहीद भाई मणि सिंह सिविल अस्पताल का दौरा किया, जहां वर्तमान में 18 घायल यात्रियों का इलाज किया जा रहा है। गिल ने कहा कि पांच की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन ने गंभीर चोटों के कारण इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। करीब 18 का इलाज शहीद भाई मणि सिंह सिविल अस्पताल में चल रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। यह हादसा बठिंडा के जीवन सिंह वाला गांव के पास हुआ जब एक बस पुल से टकराने के बाद नाले में गिर गई। एनडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान चल रहा है।

संभल की शाही जामा मस्जिद पर 24 घंटे रहेगी यूपी पुलिस

संभल (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद के पास खाली पड़े मैदान में पुलिस चौकी बनाएगी। प्रस्तावित पुलिस चौकी का निर्माण शुरू होते ही आरएएफ के जवान तैनात होंगे। अपर पुलिस अधीक्षक श्रीश चंद्र ने यह जानकारी दी। हालांकि चौकी का नाम क्या होगा इसे लेकर उन्होंने अभी कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। संभल में सुरक्षा की दृष्टि से नयी पुलिस चौकी का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जहां 24 घंटे पुलिस तैनात रहेगी। उल्लेखनीय है कि 24 नवंबर को शाही मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। उम्मीद है कि कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव संभल की जामा मस्जिद के मूल रूप से हरिहर मंदिर होने के दावे से संबंधित सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट संभवत: जनवरी 2025 के पहले सप्ताह में सीलबंद लिफाफे में दाखिल की जाएगी।

देश पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के योगदान को हमेशा याद रखेगा: सैलजा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री, उत्तराखंड की प्रभारी, सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निधन की सूचना से मन बेहद आहत है। उनका जाना पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है, लेकिन मेरे लिए यह परिवार के एक बड़े और मार्गदर्शक के चले जाने जैसा है। भारत के आर्थिक सुधारों में उनका योगदान ऐतिहासिक है जो सदैव याद किया जाएगा।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में भारत ने उदारीकरण, वैश्वीकरण और आर्थिक विकास की राह पकड़ी, जिसने करोड़ों भारतीयों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया। मेरे लिए उनके साथ काम करना न केवल एक सौभाग्य था, बल्कि हर पल उनसे सीखने का अवसर भी मिला। उनकी सादगी, धैर्य और निस्वार्थ सेवा का उदाहरण सदैव प्रेरणा देता रहेगा। देश

फाईल फोटो।

उनके योगदान को हमेशा याद रखेगा। उन्होंने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी को साथ लेकर काम किया। उन्होंने वित्तीय संकट से घिरे देश को एक नई अर्थव्यवस्था के मार्ग पर प्रशस्त किया। जनता के प्रति देश के विकास के प्रति उनका कमिटमेंट उसे हमेशा बहुत सम्मान से देखा जाएगा। उनका जीवन, उनकी ईमानदारी और सादगी का प्रतिबिंब था। उनकी विनम्रता सौम्यता उनके संसदीय जीवन की पहचान बनी। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें।

राजधानी दिल्ली के कई हिस्सों में हुई बारिश से बढ़ी सर्दी

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार सुबह से लगातार बारिश हुई है, जिससे शहर के कई हिस्सों में गंभीर जलभराव और यातायात जाम हो गया है। शहर के बुराड़ी क्षेत्र से प्राप्त दृश्यों से पता चलता है कि भारी जलभराव के कारण क्षेत्र में यातायात जाम हो गया है, क्योंकि दिल्ली के कुछ हिस्सों में बारिश जारी है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, शहर में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस जबकि अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आज "बारिश के साथ आंधी" की भविष्यवाणी की है। इससे पहले आज स्थानीय निवासी दीपक पांडे ने कहा, "मौसम अच्छा हो गया है और कश्मीर जैसा महसूस हो रहा है। मौसम इतना सुहाना हो गया है कि इसमें यात्रा की जा सकती है। मौसम ठंडा है, लेकिन बारिश से प्रदूषण का स्तर कम हो गया है।"

स्थानीय निवासी दीपक पांडे ने कहा, "मौसम अच्छा हो गया है और कश्मीर जैसा अहसास हो रहा है। मौसम इतना सुहाना हो गया है कि इसमें यात्रा की जा सकती है। मौसम ठंडा है, लेकिन बारिश

के कारण प्रदूषण का स्तर कम हो गया है।" इस बीच, शहर में वायु गुणवत्ता सूचकांक में मामूली सुधार हुआ, हालांकि यह 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार दोपहर 2 बजे तक एक्यूआई 355 मापा गया।

दोपहर 2 बजे तक आनंद विहार में एक्यूआई 390, आईजीआई एयरपोर्ट (टी3) में 314, आया नगर में 329, लोधी रोड में 327, आईटीओ में 360, चांदनी चौक में 300 और पंजाबी बाग में 361 रहा। तुलना के लिए, सुबह 7 बजे तक आनंद विहार में मापा गया एक्यूआई 398 था, आईजीआई एयरपोर्ट (टी 3) 340 था, आया नगर 360 था, लोधी रोड 345 था, आईटीओ 380 था, चांदनी चौक 315 था और पंजाबी बाग 386 था। केंद्र सरकार के वायु गुणवत्ता निगरानी पैनल ने मंगलवार को वायु गुणवत्ता में सुधार के बाद दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के तहत स्टेज IV ('गंभीर+') उपायों को रद्द कर दिया।

हालांकि, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने 24 दिसंबर को घोषणा की कि वायु गुणवत्ता में और गिरावट को रोकने के लिए चरण क, क्क और III के तहत कार्रवाई जारी रहेगी। यह निर्णय 24 दिसंबर को दिल्ली के वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) में सुधार होने के बाद लिया गया।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के पूवार्नुमानों के अनुसार, वायु गुणवत्ता में सुधार का श्रेय अनुकूल मौसम संबंधी स्थितियों को दिया गया है, जिसमें हवा की गति में सुधार भी शामिल है।

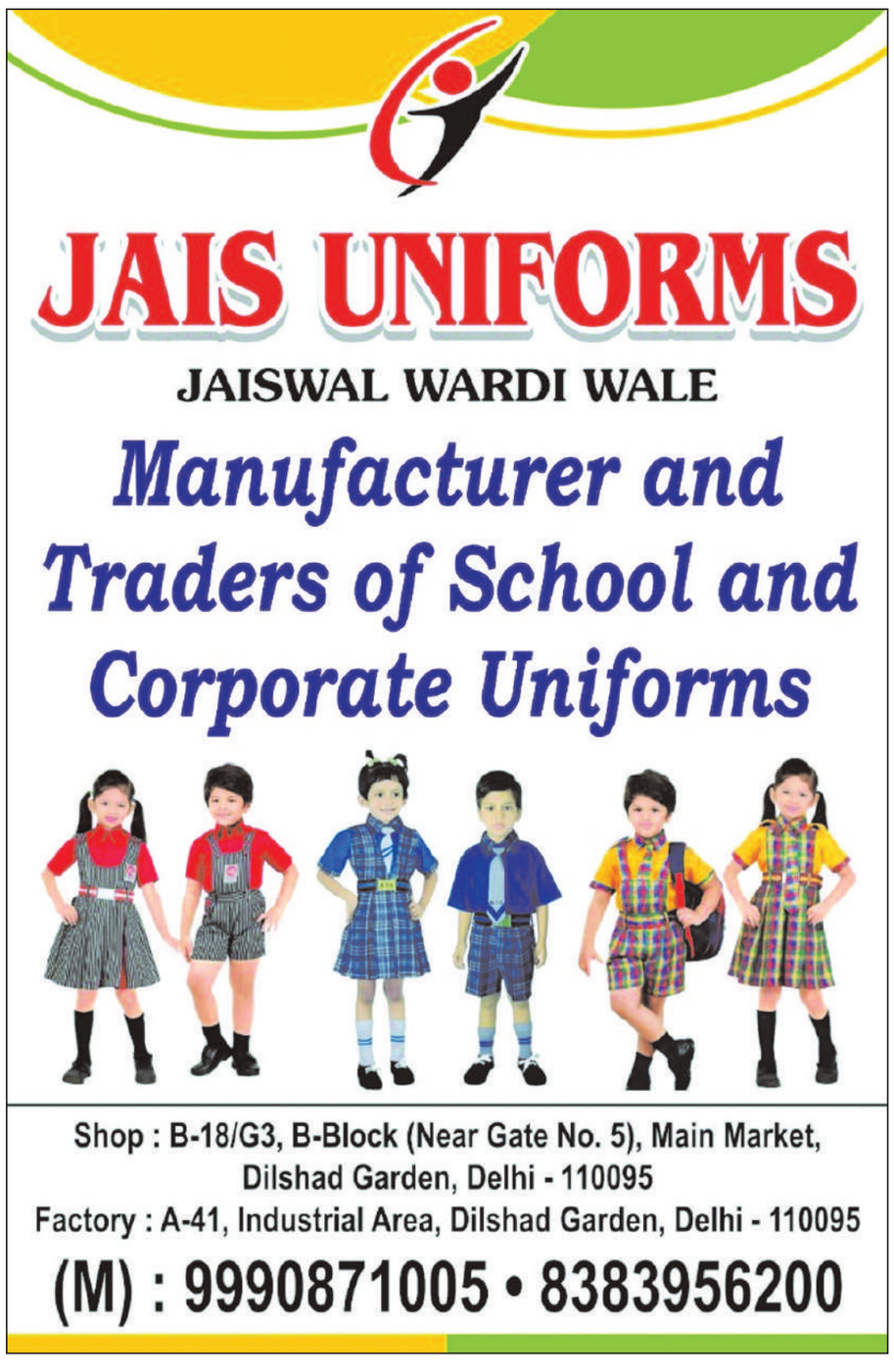

राज्यस्तरीय मल्लयुद्ध प्रतियोगिता संपन्न, कैमूर के शुभम को मिला चांदी का गदा

नेशनल खेलो मेडल लाओ और नौकरी पाओ: खेल मंत्री

संजना भारती संवाददाता

मंसूरचक (बेगूसराय)। प्रखंड के नर नारायण सिन्हा प्लस टू विद्यालय मंसूरचक में बिहार राज्य प्राधिकरण एवं बिहार कुश्ती संघ के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय बिहार राज्य मल्लयुद्ध प्रतियोगिता फाइनल मैच के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार सरकार के खेल मंत्री सुरेंद्र कुमार मेहता, पटना खेल विभाग के प्रधान सचिव बी राजेन्द्रन विशिष्ट अतिथि बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविन्द्रन संस्करण, खेल विभाग के निदेशक महेंद्र कुमार, तेघड़ा एसडीएम राकेश कुमार, डीएसपी डॉ. रविन्द्र मोहन प्रसाद, बेगूसराय खेल विभाग के उपाधीक्षक एश्वर्य कश्यप, विश्वजीत कुमार सहित अन्य ने फाइनल मैच का आगाज पीच पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पहलवान का किया।

बिहार के 90 प्लस किलो के पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान पर कैमूर के शुभम कुमार, द्वितीय स्थान पर जहानाबाद के विजय कुमार, तृतीय स्थान पर कैमूर के शमशेर यादव, 50 से 55 किलो महिला वर्ग में प्रथम स्थान पर गोपालगंज की कल्पना तिवारी, द्वितीय स्थान पर पटना की माही कुमारी, तृतीय स्थान पर भागलपुर की पल्लवी कुमारी, 56 से 62 किलो महिला वर्ग में बेगूसराय की जुगनू भारद्वाज, द्वितीय स्थान पर

बेगूसराय की निर्जला कुमारी, तृतीय स्थान पर भागलपुर की मिनाक्षी कुमारी, 62 प्लस किलो महिला वर्ग में प्रथम स्थान पर बेगूसराय की जूही कुमारी, द्वितीय स्थान पर कैमूर की पूनम यादव, तृतीय स्थान पर बेगूसराय की काजल कुमारी ने मारी बाजी, प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पहलवान को एक लाख, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को पच्चास हजार, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को पच्चीस हजार रुपये से मुख्य अतिथि द्वारा पहलवान को पुरस्कृत किया गया। टांप टेन का जलवा दिखाने वाले नामचीन पहलवान कैमूर के शुभम कुमार को खेल मंत्री, खेल विभाग के प्रधान सचिव सहित अन्य अतिथियों ने सम्मलित रुप से चांदी का गदा,एक लाख रुपये देकर सम्मानित किया। शेष पहलवान को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए खेल मंत्री सुरेंद्र कुमार मेहता ने कहा कि सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेला इंडिया का आगाज किया उसके बाद बिहार सरकार भी खेल को पढ़ाई के साथ खेल भी उतना ही जरूरी समझ कर खेल के प्रति एक से एक बढ़ कर काम करना शुरू कर दिया हैं। उन्होंने कहा सरकार ने प्रतिबद्ध हैं नेशनल खेलो,मेडल लाओं नौकरी पाओं. उन्होने स्थानीय मंसूरचक के साथ बेगूसराय की जनता एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, रेफरी, टैक्निकल को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिये साधुवाद दिया।

बिहार के खिलाड़ी हैं काफी ऊजार्वान: प्रधान सचिव

खेल विभाग पटना के प्रधान सचिव बी राजेन्द्रन ने कहा कि बिहार के खिलाड़ी काफी ही ऊजार्वान है। जिसे और निखारने की आवश्यकता हैं। उन्होंने कहा छात्र-छात्रा पढ़ाई के साथ खेल को भी अपने जीवन का मूल ज्ञान समझने का संकल्प लें तभी खेल में ऊंचाई तक जाने की सफलता हासिल कर पायेंगे। आयें हुये अतिथियों का सम्मान शिक्षक अशर्फी पासवान सहित अन्य ने पगरी बांध कर किया. जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं का सम्मान खेल मंत्री ने अपने हाथों से चादर, फूल का माला देकर सम्मानित किया. सांसद प्रतिनिधि सुधीर कुमार राय मुन्ना, प्राचार्य उमाशंकर पंडित, समसा एक पंचायत के मुखिया डॉ. दिनेश कुमार राय, समसा दो पंचायत के मुखिया सह मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष मो. इजहार अंसारी, मंसूरचक पंचायत के मुखिया यास्मीन खातून, अरमान कुरैसी, बहरामपुर पंचायत के मुखिया धर्मवीर सिंह कुंदन, गणपतौल पंचायत की मुखिया हीरा कुमारी, डीबीएम कांलेज मंसूरचक के सेवानिवृत प्रधानाध्यापक प्रदीप कुमार सिन्हा सहित अन्य ने भी संबोधित करते हुयें इस आयोजन से खास कर छात्र-छात्रा, युवा पीढ़ियों को सीख लेने की आवश्यकता बताया।

डॉ. संदीप शाह को एनएबीएल-क्यूसीआई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। प्रख्यात चिकित्सा पेशेवर और दूरदर्शी नेता डॉ. संदीप शाह को भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के एक घटक बोर्ड, राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एनएबीएल परीक्षण और अंशशोधन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए काम करता है, जिससे उपभोक्ताओं, व्यवसायों और नियामकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले उत्पादों और सेवाओं में विश्वास सुनिश्चित होता है। डॉ. शाह, अहमदाबाद के बीजे मेडिकल कॉलेज से एमडी पैथोलॉजी और बैक्टीरियोलॉजी में गोल्ड मेडलिस्ट हैं, उनके पास पैथोलॉजी, आणविक जीव विज्ञान और ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी में व्यापक शैक्षणिक और पेशेवर पृष्ठभूमि है। वे न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स में संयुक्त प्रबंध निदेशक और न्यूबर्ग सुप्राटेक रेफरेंस लैबोरेटरीज के संस्थापक हैं। इसके अतिरिक्त, वे इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिजीज एंड रिसर्च सेंटर में मानद निदेशक के रूप में कार्य करते हैं। डॉ. शाह इस पद पर प्रो. सुब्बाना अय्यप्पन की जगह लेंगे, जो पैथोलॉजी, आणविक जीव विज्ञान और प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान में एक विशिष्ट कैरियर के साथ स्वास्थ्य सेवा और निदान में 35 से अधिक वर्षों की विशेषज्ञता लेकर आए हैं।

सम्पादकीय

बेलगावी का संदेश

कर्नाटक के बेलगावी में आयोजित अपने दो दिवसीय अधिवेशन के पहले दिन कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी सरकार के खिलाफ लड़ाई तेज करने का निश्चय किया है। अधिवेशन के पहले ही दिन कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने ऐलान किया है कि हम नेहरू-गांधी की विचारधारा, बाबा साहेब अंबेडकर के सम्मान के लिए आखिरी सांस तक लड़ेंगे। इसके साथ ही कुछ महत्वपूर्ण निर्णय कांग्रेस ने लिए हैं। जिसमें संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ चुनाव प्रक्रिया में सुधार लाने, किसानों के हितों की रक्षा करने, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को तेज करने की रणनीति बनाई जाएगी। श्री खड़गे ने कहा है कि 2025 संगठन को मजबूत करने का साल होगा, पार्टी में खाली पदों को भरा जाएगा। उदयपुर घोषणापत्र को पूरी तरह लागू किया जाएगा। पार्टी को चुनाव जीतने के लिए आवश्यक कौशल से लैस किया जाएगा। साथ ही वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध लोगों को ढूंढा जाएगा जो संविधान और भारत के विचार की रक्षा करेंगे। खड़गे ने कहा कि केवल कड़ी मेहनत पर्याप्त नहीं, समय पर ठोस रणनीति, सही दिशा, नई शक्ति, नेतृत्व को मौका देने की जरूरत है। हमारे पास गांधी-नेहरू की विरासत है। बेलगाव से नए संकल्प के साथ लौटेंगे, यह भरोसा श्री खड़गे ने जताया। वहीं कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी इस अधिवेशन में शामिल नहीं हो पाई, लेकिन अपने संदेश में उन्होंने कहा कि दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों से महात्मा गांधी की विरासत खतरे में है। जिन संगठनों ने कभी स्वतंत्रता के लिए लड़ाई नहीं लड़ी, उन्होंने महात्मा गांधी का कटु विरोध किया, विषाक्त वातावरण बनाया जिसके कारण उनकी हत्या कर दी गई। आइए हम व्यक्तिगत रूप से, सामूहिक रूप से, पार्टी के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तत्परता की नई भावना के साथ संकल्प के साथ आगे बढ़ें। गौरतलब है कि ठीक सौ वर्ष पूर्व इसी स्थल पर कांग्रेस का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अधिवेशन हुआ था जो महात्मा गांधी द्वारा की गयी सदारत का पार्टी का एकमेव अधिवेशन है। जिस प्रकार से उस अधिवेशन में गांधीजी ने आपसी भेदभाव भुलाकर फिरंगियों के खिलाफ लड़ाई तेज करने और आजादी हासिल करने तक शांत न बैठने का आह्वान किया था, इस अधिवेशन में भी कांग्रेस ने संकल्प लिया कि जनविरोधी और निरंकुश हो चुकी भाजपा सरकार के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन चलाया जायेगा।

गज़ल

फिक्र न कुछ बंधन के दिन।
ऐसे थे बचपन के दिन।

उलझे बालों की झटकन,
थे अपने बन-ठन के दिन।

मजनूँ, रांझा बने फिरे,
ऐसे थे बचपन के दिन।

आज अखाड़े यार कहाँ,
दूर हुए उबटन के दिन।

बेमकसद फिरते रहना,
याद रहे यौवन के दिन।

करवा चौथ रहा अपना,
और कहाँ साजन के दिन।

अब स्वेता भजन कर लो,
शेष रहे सुमिरन के दिन।

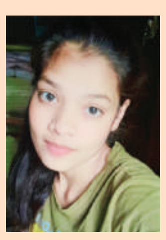

-स्वेता रानी
समस्तीपुर

जयंती

रतन टाटा

जन्मः 28 दिसंबर 1937-निधनः 9 अक्टूबर, 2024) टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष, जो भारत की सबसे बड़ी व्यापारिक समूह है, जिसकी स्थापना जमशेदजी टाटा ने की और उनके परिवार की पीढ़ियों ने इसका विस्तार किया और इसे दृढ़ बनाया। रतन टाटा, एक ऐसी शख्सियत हैं, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि अगर आपमें प्रतिभा है, तो आप देश में रहकर भी ऐसे शिखर पर पहुँच सकते हैं, जहाँ हर भारतीय आप पर नाज करे।

पुण्यतिथि

सुमित्रानंदन पंत

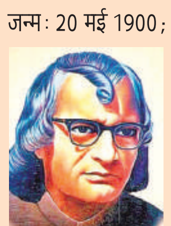

जन्मः 20 मई 1900; मृत्युः 28 दिसंबर, 1977) हिन्दी साहित्य में छायावादी युग के चार स्तंभों में से एक हैं। सुमित्रानंदन पंत नये युग के प्रवर्तक के रूप में आधुनिक हिन्दी साहित्य में उदित हुए। सुमित्रानंदन पंत ऐसे साहित्यकारों में गिने जाते हैं, जिनका प्रकृति चित्रण समकालीन कवियों में सबसे बेहतरीन था। आकर्षक व्यक्तित्व के धनी सुमित्रानंदन पंत के बारे में साहित्यकार राजेन्द्र यादव कहते हैं कि 'पंत अंग्रेजी के रूमानी कवियों जैसी वेशभूषा में रहकर प्रकृति केन्द्रित साहित्य लिखते थे।' जन्म के महज छह घंटे के भीतर उन्होंने अपनी माँ को खो दिया। पंत लोगों से बहुत जल्द प्रभावित हो जाते थे। पंत ने महात्मा गाँधी और कार्ल मार्क्स से प्रभावित होकर उन पर रचनाएँ लिख डालीं। हिंदी साहित्य के विलियम वर्ड्सवर्थ कहे जाने वाले इस कवि ने महानायक अमिताभ बच्चन को 'अमिताभ' नाम दिया था। पद्मभूषण, ज्ञानपीठ पुरस्कार और साहित्य अकादमी पुरस्कारों से नवाजे जा चुके पंत की रचनाओं में समाज के यथार्थ के साथ-साथ प्रकृति और मनुष्य की सत्ता के बीच टकराव भी होता था। हरिवंश राय 'बच्चन' और श्री अरविंदो के साथ उनकी ज़िंदगी के अच्छे दिन गुजरे। आधी सदी से भी अधिक लंबे उनके रचनाकाल में आधुनिक हिंदी कविता का एक पूरा युग समाया हुआ है।

कल मिलेंगे

पिंकी-दुनिया की सबसे समझदार बीवियां कहा पायी जाती हैं?
रिंकी-स्टार प्लस के सीरियल्स में.....

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

भागवत को क्यों दी जा रही है धर्म गुरु नहीं बनने की नसीहत

जगद्गुरु रामभद्राचार्य के साथ-साथ अन्य हिंदू धार्मिक गुरु आरएसएस के सुर में सुर मिलाने को तैयार नहीं हैं। उनका मानना है कि संघ को आस्था के मामलों में धार्मिक हस्तियों के नेतृत्व का सम्मान करना चाहिए। उधर, राजनीति के जानकारों का कहना है कि यह स्थिति धार्मिक मामलों में आरएसएस की भूमिका और प्रभाव को लेकर हिंदू धार्मिक समुदाय के भीतर संभावित झगड़े को भी दर्शाती है

-संजय सक्सेना

अपना देश एक रंग बिरंगे गुलदस्ते की तरह है। अनेकता में एकता जिसकी शक्ति है। यहां विभिन्न धर्म और उनकी अलग-अलग पूजा पद्धति देखने को मिलती है तो देश का सामाजिक और जातीय ताना बाना भी काफी बंटा हुआ हुआ है। ऐसे में किसी भी मुद्दे पर किसी तरह की प्रतिक्रिया देने से पूर्व सौ बार उसके बारे में सोचना पड़ता है। वर्ना देश का माहौल खराब होने या जनता की भावनाएं भड़कने में देरी नहीं लगती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का एक बयान इसका सबसे ताजा उदाहरण है। वैसे यह भी सच्चाई है कि भागवत के बयान पर पहली बार हो-हल्ला नहीं मच रहा है। इससे पूर्व भी भागवत के आरक्षण, ब्राह्मणों, डीएनए से जुड़े बयानों पर हंगामा खड़ा हो चुका है। अब संघ प्रमुख मोहन भागवत के मंदिर-मस्जिद वाले बयान पर साधु-संतों की ओर से आपत्ति सामने आई है। देश में हिंदू संतों की प्रमुख संस्था अखिल भारतीय संत समिति ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की हर जगह मंदिर तलाशने और इसके सहारे कुछ लोगों का हिंदुओं का नेता बनने की कोशिश वाली टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। समिति ने कहा है कि विभिन्न स्थलों पर मंदिर-मस्जिद विवाद को उठाने वाले नेताओं को अपने दायरे में रहना चाहिए। समिति के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा धार्मिक है और इसका फैसला धमार्चार्यों की ओर से किया जाना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस मुद्दे को सांस्कृतिक संगठन आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत को छोड़ देना चाहिए। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि जब धर्म का विषय उठेगा तो उसे धमार्चार्य तय करेंगे। जब यह धमार्चार्य तय करेंगे तो उसे संघ भी स्वीकार करेगा और विश्व हिंदू परिषद भी। स्वामी जितेंद्रानंद ने कहा कि मोहन भागवत की अतीत में इसी तरह की टिप्पणियों के बावजूद 56 नए स्थानों पर मंदिर पाए गए हैं, जो मंदिर-मस्जिद मुद्दों में रुचि और कार्रवाई का संकेत देते हैं। जितेंद्रानंद महाराज ने जोर देकर कहा कि धार्मिक संगठन जनता की भावनाओं के अनुसार कार्य करते हैं। इन समूहों के कार्य उन लोगों की मान्यताओं और भावनाओं से आकार लेते हैं जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि केवल राजनीतिक प्रेरणाओं से। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती की यह टिप्पणी जगद्गुरु रामभद्राचार्य की ओर से मोहन भागवत से असहमति व्यक्त करने के एक दिन बाद आई है। बता दें जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने अपने बयान में कहा था कि मैं यह स्पष्ट कर दूं कि मोहन भागवत हमारे अनुशासनकर्ता नहीं हैं, बल्कि हम हैं। साधू संत तो भागवत के बयान से नाराज हैं हीं इसके साथ-साथ यह भी पहली बार देखने को मिल रहा है कि आरएसएस प्रमुख को परिवार के भीतर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले द्वारका में द्वारका शारदा पीठम और बद्रीनाथ में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती संघ परिवार के खिलाफ रुख अपनाते थे, लेकिन उन्हें कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित बता कर उनके बयानों को खारिज कर दिया जाता था।

बहरहाल, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के साथ-साथ अन्य हिंदू धार्मिक गुरु आरएसएस के सुर में सुर मिलाने को तैयार नहीं हैं। उनका मानना है कि संघ को आस्था के मामलों में धार्मिक हस्तियों के नेतृत्व का सम्मान करना चाहिए। उधर, राजनीति के जानकारों का कहना है कि यह स्थिति धार्मिक मामलों में आरएसएस की भूमिका और प्रभाव को लेकर हिंदू धार्मिक समुदाय के भीतर संभावित झगड़े को भी दर्शाती है। रामभद्राचार्य ने कहा कि संभल में जो कुछ भी हो रहा था वह वास्तव में बुरा था। उन्होंने कहा कि इस मामले में सकारात्मक पक्ष यह है कि चीजें हिंदुओं के पक्ष में सामने आ रही हैं। हम इसे अदालतों, मतपत्रों और जनता के समर्थन से सुरक्षित करेंगे। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ किए गए अत्याचारों पर भी चिंता व्यक्त की।

बता दें हाल ही में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उभरने पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने लोगों को ऐसे मुद्दों को न उठाने की सलाह दी। मोहन भागवत ने कहा कि मंदिर-मस्जिद विवादों को उछाल कर और सांप्रदायिक विभाजन फैलाकर कोई भी हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। उनका यह बयान हिंदू दक्षिणपंथी समूहों की ओर से देश भर में विभिन्न अदालतों में दशकों पुरानी मस्जिदों पर दावे जैसी मांग के बाद आया है। इस पर हिंदूवादी संगठलनों का दावा है कि ये पुरानी मस्जिदें, मंदिर स्थलों पर बनाई गई थीं। इन मस्जिदों में जौनपुर की अटाला और संभल की शाही जामा मस्जिद भी शामिल है, जिस मामले में हाल ही में हिंसा हुई थी। 24 नवंबर को भड़की हिंसा में पांच लोग मारे गए थे। उधर, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर राजनीति भी थमने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का मंदिर-मस्जिद विवाद न उठाने का बयान लोगों को गुमराह करने के उद्देश्य से था। यह आरएसएस की खतरनाक कार्यप्रणाली को दशार्ता है, क्योंकि इसके नेता जो कहते हैं उसके ठीक विपरीत करते हैं। वे ऐसे मुद्दे उठाने वालों का समर्थन करते हैं। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए आरएसएस प्रमुख को घेरा। उन्होंने कहा कि अगर आरएसएस प्रमुख ईमानदार हैं तो उन्हें सार्वजनिक रूप से घोषणा करनी चाहिए कि भविष्य में संघ ऐसे नेताओं का समर्थन कभी नहीं करेगा जो सामाजिक सद्भाव को खतरे में डालते हैं। जयराम ने कहा कि आरएसएस प्रमुख ऐसा नहीं कहेंगे, क्योंकि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा आरएसएस के इशारे पर हो रहा है। कई मामलों में, जो लोग ऐसे विभाजनकारी मुद्दों को भड़काते हैं और दंगे करवाते हैं, उनके आरएसएस से संबंध होते हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

डॉ मनमोहन सिंह के प्रति इतिहास आखिर क्यों दयालु होगा? समझिए विस्तार से!

डॉ. सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वह पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वह संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 और 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ. सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किए गए

-कमलेश पांडेय

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह अब नहीं रहे, लेकिन पिछले 10 वर्षों से उनकी एक पंक्ति मुझे रह-रह कर चुभती आई है। वह यह कि वर्तमान मीडिया से ज्यादा इतिहास उनके प्रति दयालु होगा। चूंकि मैं इतिहास स्नातकोत्तर का विद्यार्थी रहा हूँ और पेशेवर मीडिया कर्मी भी हूँ, इसलिए उनकी बात और उसके मर्म को भलीभांति समझता हूं। इसलिए अमूमन सोचता रहता हूँ कि आखिर डॉ सिंह ने इतनी तल्ख टिप्पणी क्यों की?

याद दिला दें कि जनवरी 2014 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने कहा था कि "मैं मानता हूं कि अभी की मीडिया की तुलना में इतिहास मेरे प्रति दयालु होगा।" इसलिए यह यक्ष प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर डॉ मनमोहन सिंह के प्रति इतिहास क्यों दयालु होगा? किस स्तर तक यानी कितना होगा? और उन बातों-जज्बातों को जिन्हें खुद उन्होंने मुखरित होकर उठाया, या फिर मीडिया के उठाने के बावजूद भी उन पर चुप्पी साध ली, उसके बारे में इतिहास विद किस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे, वस्तुनिष्ठ अवलोकन करना जरूरी है।

ऐसा इसलिए कि पत्रकारिता भी तो आज का इतिहास ही है। यह हर रोज गुजश्ते इतिहास का जीता-जागता सबूत है। कभी कभी तो वह खुद को दोहराता भी है, जैसा कि इतिहास बेकन ने कहा है। इसलिए सहज ही सवाल उठता है कि क्या मीडिया नासमझ है और इतिहास वस्तुनिष्ठ, जिस पर पक्षपात के आरोप लगते आए हैं! या फिर वो यानी डॉ सिंह जज्बाती, जिन्होंने मैडम (सोनिया गांधी) का यस मैन बनकर अपनी सियासत तो चमका ली, अपने युगान्तकारी नीतियों-रणनीतियों से कुछ लोगों को लाभान्वित भी कर गए! लेकिन जब एक शासक के रूप में राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को बचाने और आतंकवादियों व उनके आकाओं के खिलाफ सख्त प्रशासनिक फैसले लेने की जरूरत आई तो किंकर्तव्यविमूढ़ बन बैठे। वहीं, राष्ट्रीय संसाधनों पर अल्पसंख्यकों के पहले अधिकार की बात छेड़कर बहुसंख्यक समाज के आंखों की किरकिरी बन बैठे। चाहे आरक्षण हो या बेरोजगारी, इसका समुचित समाधान अपने 10 वर्षीय शासनकाल में भी नहीं दे पाए, जिसके चलते एक बार राहुल गांधी भी उनसे नाखुश प्रतीत हुए और उसके बाद ही उन्हें चुनावी हार का भी सामना करना पड़ा। बावजूद इसके जब उनसे जुड़ी विभिन्न बातों को यदि समय की कसौटी पर कसा जाए, उनके विचारों और व्यवहारों को परखा जाए तो उपर्युक्त तीनों बातें सही हैं।

इसके बावजूद, डॉ सिंह का पलड़ा इसलिए भारी है, क्योंकि वह स्वभाव से मृदु, पेशेवर तौर पर ईमानदार और राजनीतिक रूप से सदाशयी और स्पष्टवादी व्यक्ति थे। जिस दौर में उन्होंने सियासत की, जैसा उन्होंने कांग्रेस/यूपीए परिवार का विश्वास और भरोसा हासिल किया और जिन मानवीय मूल्यों को निभाया, उसमें वो सौ प्रतिशत खरे हैं। हां, इतना अवश्य है कि जब चांद भी बेदाग नहीं समझा जाता तो यह 'सियासी चांद' भी 26/11 जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के बाद आक्रामक कार्रवाई न करने के लिए जनमानस के कठघरे में खड़ा है! वहीं, देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है, का राग अलापकर अपने धवल इतिहास में भी उलाहना के कुछ पंक्तियों को सुनने के लिए हमेशा समुपस्थित रहेगा। बातें बहुत सारी हैं, जिन्हें गागर में सागर की तरह समाया नहीं जा सकता। फिर भी इतिहास के एक अध्ययनकर्ता के रूप में और मीडिया कर्मी के रूप में भी मैं कांग्रेस के इन विचारों से सहमत हूँ कि डॉ. मनमोहन सिंह को उनके गरिमामय आचरण, सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता, गहन ज्ञान और विनम्रता के लिए हमेशा याद रखेगा।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि वह अपने पीछे आर्थिक सुधारों, राजनीतिक स्थिरता और प्रत्येक भारतीय के जीवन के उत्थान के लिए समर्पण की विरासत छोड़ गए हैं। पहले एक टेक्नोक्रेट के रूप में, उसके बाद अर्थशास्त्री के रूप में और फिर भारत के प्रधान मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल सामाजिक कल्याण पर ध्यान देने के साथ आर्थिक समृद्धि और विश्व मानचित्र पर भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए याद किया जाएगा।

कहना न होगा कि अपने शांत लेकिन लचीले नेतृत्व के लिए जाने जाने वाले, वह एक सिद्धांतवादी व्यक्ति थे जिन्होंने देखभाल, चिंता और देश के कल्याण के अलावा किसी भी चीज के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ कठोर निर्णय लिए। एक नेता के रूप में, डॉ. सिंह ने शायद ही कभी सुर्खियां बटोरीं हों, फिर भी उनके फैसले भारतीय समाज के हर पहलू और उससे परे गहराई से गूंजते रहे। इस तरह से राजनीतिक सहयोगियों, विरोधियों और विश्व नेताओं से उन्होंने जो विश्वास और सम्मान अर्जित किया, वह उनके गहरे प्रभाव का प्रमाण है। देखा जाए तो प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह भारत के 13 वें प्रधानमंत्री थे। वो लोकसभा चुनाव 2009 में मिली जीत के बाद, जवाहरलाल नेहरू के बाद भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने, जिन्हें पांच वर्षों का कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला था। वहीं, उन्हें 22 जून 1991 से 16 मई 1996 तक पीवी नरसिंह राव के प्रधानमंत्रित्व काल में वित्त मंत्री के रूप में किए गए आर्थिक सुधारों का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद वह कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए, जहां से उन्होंने पीएचडी की उपाधि हासिल की। फिर उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी-फिल भी किया। उनकी पुस्तक इंडियाज एक्सपोर्ट ट्रेंड्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सेल्फ सस्टेंड ग्रोथ भारत की व्यापार नीति की पहली और सटीक आलोचना मानी जाती है।

डॉ. सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वह पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वह संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 और 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ. सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किए गए। इसके बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। मनमोहन सिंह योजना आयोग के उपाध्यक्ष भी रहे हैं। इसके अलावा रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे। भारत के आर्थिक इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब वह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मंत्री रहे। 1985 में राजीव गांधी के शासन काल में मनमोहन सिंह को योजना आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस पद पर उन्होंने लगातार पांच वर्षों तक कार्य किया, जबकि 1990 में वह प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार बनाए गए। जब पीवी नरसिंह राव प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने मनमोहन सिंह को 1991 में अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया और वित्त मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार सौंपा। इस समय वह न तो लोकसभा और न ही राज्यसभा के सदस्य थे। मगर संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार सरकार के मंत्री को संसद का सदस्य होना आवश्यक होता है। इसलिए उन्हें 1991 में असम से राज्यसभा भेजा गया था।

डॉ. मनमोहन सिंह ने वित्त मंत्री के रूप में कार्य करते हुए साल 1991 में शुरू किए गए आर्थिक उदारीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसमें सरकारी नियंत्रण को कम करना, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ाना और स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स को लागू करना शामिल था, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोल दिया था।

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (नरेगा): 2005 में शुरू किए गए इस अधिनियम ने प्रत्येक ग्रामीण परिवार को 100 दिन के वेतन रोजगार की गारंटी दी, जिससे लाखों लोगों की आजीविका में उल्लेखनीय सुधार हुआ और ग्रामीण बुनियादी ढांचे में वृद्धि हुई।

हां, भ्रष्टाचार न रोक पाने, सोनिया गाँधी के इशारे पर चलने वगैरह-वगैरह तमाम आरोपों और तमाम खामियों के बावजूद भारत आज जो समृद्धि देख रहा है, उसका दरवाजा मनमोहन सिंह ने ही खोला था। आज जो फ्लाइट्स फुल चल रही हैं, होटलों में कमरे नहीं मिल रहे, मिडिल क्लास अपने बच्चों को इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ा पा रहा है, इकोनॉमी बूम कर रही है, इस सबकी बुनियाद सिंह साहब ने ही रखी थी। इसलिए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

यूक्रेन संघर्ष में ईश्वर हमारे साथ-व्लादिमीर पुतिन

(एजेन्सी)।

रूस। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन के साथ संघर्ष में मास्को विजयी होगा। पुतिन, जो गुरुवार को सेंट पीटर्सबर्ग में सुप्रीम यूरेशियन इकोनॉमिक काउंसिल (एसईईसी) की बैठक में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। ने इस सवाल के जवाब में कहा कि क्या रूस 2025 में जीत हासिल करेगा, इस सवाल के जवाब में कहा कि भगवान रूस के पक्ष में है। पुतिन ने इन खबरों के बीच कहा कि मुझे ईश्वर में विश्वास है। और भगवान हमारे साथ हैं।

अमेरिका यूक्रेन की नाटो सदस्यता में देरी के बदले में मौजूदा अग्रिम मोर्चों पर संघर्ष को 'रोकने' की कोशिश कर रहा है। हालाँकि, पुतिन ने इस विचार को खारिज करते हुए कहा उस समय, हमने अमेरिका से कहा था कि ऐसा सौदा मॉस्को के लिए अस्वीकार्य है। रूसी राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि मॉस्को की सर्वोच्च प्राथमिकता यूक्रेन के साथ संघर्ष में विजयी होना है। उन्होंने कहा कि हम संघर्ष को समाप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि हम अग्रिम पंक्ति में सफल होंगे और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में अपने उद्देश्यों को पूरा करेंगे, साथ ही सामाजिक मुद्दों, सैन्य सुरक्षा के मुद्दों और सुरक्षा के मुद्दों को भी हल करेंगे। पुतिन ने यह भी कहा कि वह स्लोवाकिया के उस प्रस्ताव के लिए तैयार हैं जिसमें चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए यूक्रेन के साथ बातचीत की मेजबानी की मांग की गई है, यह स्वीकार करते हुए कि स्लोवाकिया ऐसी तटस्थ स्थिति लेता है। इससे पहले, अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि वह कीव और मॉस्को के बीच युद्धविराम कराएंगे; हालाँकि, प्रस्तावों का विवरण अभी तक साझा नहीं किया गया है।

भारत-चीन संबंधों के विकास में मनमोहन सिंह का योगदान सराहनीयः चीन

(एजेन्सी)।

बीजिंग। चीन ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान दोनों देशों के बीच संबंधों के विकास में सकारात्मक योगदान दिया। इसने कहा कि उनके कार्यकाल में जटिल सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां एक संवददाता सम्मेलन में दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार के लिए सिंह की विरासत पर एक सवाल के जवाब में कहा कि वह भारत के एक वरिष्ठ राजनेता और प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थे। उन्होंने भारत-चीन संबंधों के विकास में सकारात्मक योगदान दिया था। माओ ने कहा कि सिंह जब प्रधानमंत्री थे तो चीन और भारत ने शांति एवं समृद्धि के लिए रणनीतिक सहकारी साझेदारी की घोषणा की और भारत-चीन सीमा मुद्दे के समाधान के लिए राजनीतिक मापदंडों तथा मार्गदर्शक सिद्धांतों पर एक समझौता किया। उन्होंने कहा कि चीन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है और भारत सरकार तथा भारतीय लोगों और सिंह के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता है। सिंह का बृहस्पतिवार रात 92 साल की उम्र में नयी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया।

भारत ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया

(एजेन्सी)।

सीनियर ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा ने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए 31 रन देकर छह विकेट चटकाए और फिर बल्ले से भी योगदान दिया जिससे भारत ने शुक्रवार को यहां तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

दीप्ति के शानदार प्रदर्शन और तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर (29 रन देकर चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी से भारत ने वेस्टइंडीज को 162 रन पर समेट दिया। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम शीर्ष क्रम के चरमराने के बावजूद 28.2 ओवर में जीत दर्ज करने में सफल रही। भारत ने 73 रन के स्कोर पर चार विकेट खो दिये थे लेकिन दीप्ति (48 गेंद में नाबाद 39 रन) के अनुभव के बूते टीम 21 ओवर पहले लक्ष्य तक पहुंच गई। विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष 11 गेंद में 23 रन बनाकर नाबाद रहीं। पिछले मैच की शतकवीर हरलीन देओल (01) के आउट होने के बाद भारत का स्कोर दो विकेट पर 23 रन था लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एफी फ्लेचर की गेंद पर आउट होने से पहले 22 गेंद में 32 रन की पारी खेली। अपनी पारी के दौरान हरमनप्रीत ने सात चौके जमाये और एक बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में आउट हो गईं। फॉर्म में चल रही उप कप्तान स्मृति मंधाना (4) जल्दी आउट हो गईं जिन्हें अश्मिनी मुनिसार ने आलिया एलेने की गेंद पर एक हाथ से कैच लेकर आउट किया।

वहीं देओल भी डियांड्रा डॉटिन की ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंद पर बल्ला छुआकर विकेटकीपर शेमेन कैंपबेल को कैच देकर पवेलियन पहुंच गईं। मध्यक्रम बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने 45 गेंद में 29 रन की पारी खेली। इससे पहले भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका ने कहर बरपाते प्रारंभिक स्पैल से वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी जिसके बाद दीप्ति ने कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर मेहमान टीम को 162 रन पर आउट कर दिया। रेनूका ठाकुर ने सटीक लाइन और लैंग्थ के साथ गेंदबाजी करके शीर्षक्रम की चूलें हिला दी तो दीप्ति ने फिरकी का जाल बुनकर मध्यक्रम और निचले क्रम को रवाना किया। वनडे में पांच या अधिक विकेट लेने का कारनामा उन्होंने तीसरी बार किया है जबकि दूसरी बार छह विकेट चटकाये हैं। वेस्टइंडीज के लिये शिनेले हेनरी (61) और शेमाइन कैंपबेल (46) ने 97 रन की साझेदारी की।

अगर यह साझेदारी नहीं होती तो वे सौ रन भी नहीं बना पाते। इनके अलावा आलिया एलेनी (21) ही दोहरे अंक तक पहुंच सकी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी का वेस्टइंडीज का फैसला गलत साबित हुआ और ठाकुर ने पहली ही गेंद पर सलामी बल्लेबाज कियान को आउट कर दिया जबकि हेली मैथ्यूज भी खाता खोले बिना उनका दूसरा शिकार हुई।

इसके बाद ठाकुर ने डिएंड्रा डोटिन (पांच) का विकेट लेकर कैरेबियाई टीम को करारा झटका दिया। इसके बाद से दीप्ति ने मोर्चा संभाला। वेस्टइंडीज की पारी 39वें ओवर में समाप्त हो गई।

अदालत के समक्ष पेश हुए अभिनेता अल्लू अर्जुन

(एजेन्सी)।

'पुष्पा-2' के प्रीमियर के दौरान भगदड़ मचने से एक महिला की मौत के मामले में दर्ज प्राथमिकी में आरोपी अभिनेता अल्लू अर्जुन वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से शुक्रवार को यहां एक स्थानीय अदालत में पेश हुए। मामले में आरोपी नंबर 11 के तौर पर नामजद अल्लू अर्जुन ने अदालत में नियमित जमानत के लिए याचिका भी दायर की जिसपर 30 दिसंबर को सुनवाई हो सकती है। घटना के संबंध में 13 दिसंबर को गिरफ्तार किए गए अभिनेता नामपल्ली की अदालत के समक्ष पेश हुए थे, जिसने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। अभिनेता की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को समाप्त हो गई। आगे की कार्यवाही के तहत उन्हें अदालत के समक्ष पेश होना था और वह वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पेश हुए। अल्लू अर्जुन को जेल भेजे जाने के तुरंत बाद, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने उन्हें चार सप्ताह (13 दिसंबर से) के लिए अंतरिम जमानत दे दी थी और उन्हें 14 दिसंबर को जेल से रिहा कर दिया गया था।

भारत के आर्थिक सुधारों में मनमोहन सिंह ने अमिट छाप छोड़ी है : आरबीआई

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भारत के आर्थिक सुधारों के जनक के रूप में उन्होंने अमिट छाप छोड़ी है।

पूर्व प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री सिंह 1982 से 1985 के बीच आरबीआई के गवर्नर भी रहे। मल्होत्रा ने सोशल मीडिया मंच एक्सपर लिखा, मैं पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से बेहद दुखी हूं। वह एक दूरदर्शी अर्थशास्त्री और आरबीआई के पूर्व गवर्नर थे। भारत के आर्थिक सुधारों के जनक के रूप में उनके योगदानों ने अमिट छाप छोड़ी है। आरबीआई इस शोकाकुल घड़ी में देश के साथ है। आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भी मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया और उन्हें एक प्रतिभाशाली अर्थशास्त्री करार दिया जिनके पास भारत की संभावनाओं के बारे में दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ-साथ राजनीतिक व्यवहार्यता की अच्छी समझ भी थी। राजन ने पीटीआई-भाषाके साथ बातचीत में कहा, वे एक बेहतरीन अर्थशास्त्री थे, जिनके पास भारत के भविष्य के बारे में एक शानदार दृष्टिकोण था। साथ ही उन्हें इस बात की भी अच्छी समझ थी कि राजनीतिक रूप से क्या संभव है... प्रधानमंत्री नरसिंह राव के सहयोग से उन्होंने जो उदारीकरण और सुधार किए उससे उन्होंने आधुनिक भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव रखी।

मैनचेस्टर सिटी और मैनचेस्टर यूनाइटेड का निराशाजनक खेल जारी

मैनचेस्टर (एजेन्सी)। पेनल्टी स्पॉट पर एर्लिंग हालैंड की विफलता और ब्रूनो फर्नांडिस के रेड कार्ड ने प्रीमियर लीग की दो दिग्गज टीमों मैनचेस्टर सिटी और मैनचेस्टर यूनाइटेड की मुश्किलें बढ़ा दी जबकि लीवरपूल को लीसेस्टर के खिलाफ ऐसी किसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। लीवरपूल ने एनफील्ड में कोहरे के बीच खेले गए मैच में एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए लीसेस्टर पर 3-1 से जीत हासिल की। इस जीत से टीम ने सात अंक की बढ़त के साथ अंकतालिका में पहले स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। लीवरपूल के 17 मैचों में 42 अंक है जबकि दूसरे स्थान पर काबिज चेल्सी के नाम 18 मैचों में 35 अंक है। सिटी को एवर्टन के खिलाफ घरेलू मैदान पर 1-1 से ड्रॉ खेलकर अंक साझा करने पर मजबूर होना पड़ा। मैच के 53वें मिनट में हालैंड की स्पॉट किक का इंग्लैंड के गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड ने शानदार बचाव किया। चार बार की गत चैंपियन टीम ने सभी प्रतियोगिताओं में अपने पिछले 13 मैचों में सिर्फ एक जीत हासिल की है। सिटी की टीम तालिका में सातवें स्थान पर संघर्ष कर रही है तो वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड की स्थिति और बुरी है।

विराट कोहली के बिना गेम बोरिंग लगेगा-पीटरसन

(एजेन्सी)। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली किसी ना किसी कारण चर्चा में बने रहते हैं। वहीं एक बार फिर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान भी अपने प्रदर्शन से ज्यादा विवादों में बने हुए हैं। कोहली ने जारी सीरीज में शतक लगाया है लेकिन ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंदों पर वह लगातार विकेट गंवा रहे हैं। कोहली को लेकर ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में काफी गलत चीजें चल रही हैं जिसे लेकर इरफान पठान और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन कोहली के सपोर्ट में उतर आए हैं। बता दें कि, मेलबर्न में खेले जा रहे चौथे टेस्ट के पहले दिन कोहली ने डेब्यू मैच खेल रहे सैम कोंस्टास को कंधे से धक्का दिया था और इस वजह से उनपर जुमार्ना लगाया गया और एक डिमेरिट अंक दिया गया। शुक्रवार को पवेलियन लौटते हुए दर्शकों ने हूटिंग की। जिससे कोहली चिढ़ गए और जवाब देने का मन बना लिया था। लेकिन फिर ड्रेसिंग रूम में चले गए। केविन पीटरसन ने एक्स पर लिखा कि, विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया में थिएटर बना रहे हैं। आगे बढ़ो। सोचिए शोमैन के बिना कितना बोरिंग होगा ये। और अपने करियर के दौरान उसने अपने रन से सब कुछ हासिल किया है।

गज़ल

आजकल त जमाना बा राउर

आजकल त जमाना बा राउर
गाँव संउसे दीवाना बा राउर

खेत-खरिहान खोरी बगइचा
अब त सगरे सिवाना बा राउर

बेवफाई प नइखी चीहाईल
ई त आदत पुराना बा राउर

आँख काजर करे में खोदाइल
ई त रोवल बहाना बा राउर

पल में ' आसिफ' के फांसी झूला दीं
कोट-इजलास, थाना बा राउर

कविता

हम तोहरा, तूँ हमरा मन में

जब देखीं भितरी दरपन में
तूँ लउकेलऽ, हमरा जगहा
हम तोहरा, तूँ हमरा मन में!

नीमन बाउर कुछ न बुझाला
रीझत खीझत मन अझुराला
होके बेकल, खिंचि खिंचि जाई
हम तोहरा लसोर चितवन में!
हम तोहरा, तूँ हमरा मन में!

खोलत आँखि तहार सिरिजना
तहरे सुमिरन, तहरे सपना
सूतल जागत तहरे धुन बा
जस पपिहा पिउ पीउ रटन में!
हम तोहरा, तूँ हमरा मन में!

जरत दिया से निकसे जोती
सीपी भीतर बिकसे मोती
तोहसे बिछुड़ि कहाँ जाइब हम
ठौर मिली तोहरे बाँहन में!
हम तोहरा, तूँ हमरा मन में!

जीयत जागत जूझत जिनिगी
कब चढ़ि जाई डाढ़ि के फुनुगी
पता न हमके आगम आपन
कब उड़ि जाइब नील गगन में!
हम तोहरा, तूँ हमरा मन में!

माघ-पूस के जाड़ अउर लइकन के खेल

-शिब्बू गाजीपुरी

समय तेजी से बदल रहल बा। एह युग परिवर्तन क दौर में बहुत कुछ बा जवन लुप्त हो रहल बा भा लुप्त हो गइल बा। अब बहुत कम गाँव मिलिहन स जहाँ अजुओ रात में अँजोर खातिर लालटेन भा ढिबरी क प्रयोग कइल जात होखे। एही तरह लइकन क खेल-कूद में भी बहुत कुछ बदलाव आ गइल बा। गुल्ली-डंडा, ओल्हापाती, गेना-भड़भड़ भा भड़भड़उवल, लइकिन क गोटी खेलल भा तीती-तीती क खेल अब ओरात जा रहल बा। बड़ स्तर प क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, कुस्ती अउरो दूसर खेलन के भरपूर बढ़ावा मिल रहल जवन ठीक बात बा, बाकिर देहाती खेल जवन गरीब देस के गरीब लइकन के खेल रहे, ओराइल जा रहल बा। एह बात पर इहो सोचल जा सकेला कि गरीबी दूर हो गइल एसे ई कुल खेलन क जरूरत आज क लइकन के नइखे। आज क नवकी पीढ़ी त एगो अउरो खेल क चक्कर में फँस गइल बा, हम फँसत सबद क प्रयोग एसे करत बानी काहें कि ओमा सिवाय नुकसान क कुछऊ नइखे मिले वाला अउर ऊ खेल बा 'मोबाइल गेम' जवना में आज-काल के लइका उलझ के आपन बहुत कुछ गँवा बइठत बाड़न। लइकन क आँख पर अधिकांश मात्रा में जवन चश्मा चढ़ल लउकत बा ओमा मोबाइल के बहुत बड़ भूमिका बा।

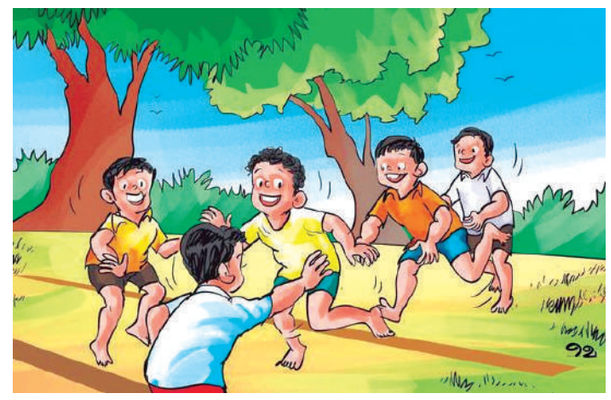

पुरान जमाना क खेल क बात कइल जाव त बरसात क दिन में खरिहान में अउर जोतल खेतन में चिक्का, कबड्डी, उढ़ा कूदल, बरगत्ता अइसन खेल खेलल जात रहे। जाड़ा क दिन में खेलल जाए वाला खेलन क बात कइल जाव त लुग्गा (कपड़ा) क बनावल गेना से गेना भड़भड़ अउर हाकुड़ खेलल जाव। हाकुड़ मतलब हॉकीए होखे जवन भारत क राष्ट्रीय खेल ह। हाकुड़ खेले में हॉकी अउर ओकर गेना (गेंद) अलगे ढंग क होखे। बॅसवार क खूँटी में से नीचे से घुम्मल बाँस के काट के हाकुड़ (हॉकी-स्टिक) बना लिहल जाव अउर बाँस क जर (जड़) से गोल गाँठ काटके ओकर गेना बनावल जात रहे। एमा एगो अउर मजेदार बात होखे कि जाड़ क दिन में लोग आग तापे खातिर कउड़ (अलाव) जरावंस ओही कउड़ में बाँस क गाँठ क बनावल गेना डाल देहल जाव जवन आग क गोला बन जाय। एकरी बाद ओके आगी से निकाल के लइका बाँस क हाकुड़ से मार-मार के खेलंस और गेना एक ओर से मराय त दूसरी ओर जात क फरफर-फरफर आग क लुत्ती (चिंगारी) छोड़त जाय। अन्हरिया भा अँजोरिया क गदहबेर (गोधुली-वेला) में एह खेल क आनंद अद्भुत होखे।

जाड़ा-पल्ला क दिन में जब सब केहू दुबकल रहे तब लइका मैदान में चउकड़ी भरत लउकं स। एह पर कउड़ तर आगी तापत एकादगो बूढ़ लोग जब भुसुराय कि एह जड़वो में इन्हनी (लइकन) के चैन नइखे, इन्हनी के जाड़ो नइखे लागत का? त ओही में बइठल मस्त-स्वभाव वाला कवनों बूढ़ जवाब देत कहें, ए भाई! सुनले नइख का? कि जाड़ का कहेला। एपर झनकाह बूढ़ लोग झनक के पूछे, का कहेला? त दुसरका बूढ़ जवाब में बतावंस, जे जाड़ कहेला, लइकन के छूवब ना, जवान हमरो भाई, बुढ़वन के छोड़ब नाहीं चाहें केतनों ओढ़िहन रजाई।

गज़ल

फेर हवाबाज आ गइल बादर

फेर हवाबाज आ गइल बादर,
सिर्फ शहरे प छा गइल बादर।

रह गइल चुरुआ लगवले मउई,
छत के पानी पिया गइल बादर।

भेख बहुरुपिया नियन बदले,
खूब बुरबक बना गइल बादर।

नाहि बरसे के तनिक बा हबखब
खेत लहलस डूबा गइल बादर।

खूब गरजल, चमक-दमक देके ,
खूब सपना देखा गइल बादर।

भूख 'आसिफ' न कुछ सुने देलसु,
राग बादल सूना गइल बादर।

-आसिफ रोहतासवी

कविता

उनुका से कहि दऽ

रसे-रसे महुवा फुलाइल हो रामा
उनुका से कहि दऽ।
रस देखि भँवरा लोभाइल हो रामा
उनुका से कहि दऽ।

पुलुई चढ़ल फिरु
उतरल फगुनवा
कुहुँकि-कुहुँकि रे
बेकल मनवाँ
सपनो में चएन न आइल हो रामा।
उनुका से कहि दऽ।

टहटह खिलल आ
झरल अँजोरिया
झुरुकलि कइ राति
पुरुबी बयरिया
अँखिया अउर सपनाइल हो रामा
उनुका से कहि दऽ।

चइते लेसाइल
बिरह अगिनिया
सेजिया पऽ लोटेले
सुधि के नगिनिया
रतिया लगेले बिखियाइल हो रामा
उनुका से कहि दऽ।

-अशोक द्विवेदी

देश/प्रदेश

मिथिला के सर्वोच्च सम्मान मिथिला रत्न से सम्मानित हुई सुष्मिता झा

एसबी संवाददाता

वाराणसी। मैथिल समाज, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 14 वां दो दिवसीय सांस्कृतिक महाकुम्भ महाकवि विद्यापति महोत्सव में शिक्षा, साहित्य, समाज सेवा, गीत, संगीत और प्रशासनिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को मिथिला का सर्वोच्च सम्मान मिथिला रत्न से सम्मानित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि आयुष, खाद सुरक्षा एवं औषधि प्रसाधन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार उत्तर प्रदेश सरकार डा दया शंकर मिश्रा 'दयालु गुरु' ने सुप्रसिद्ध शास्त्रीय और मैथिली गायिका डा सुष्मिता झा को शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मिथिला के सर्वोच्च सम्मान मिथिला रत्न से सम्मानित किया।

समारोह का संयोजन/संचालन गौतम कुमार झा (एडवोकेट) द्वारा किया गया तथा स्वागत संस्था अध्यक्ष निरसन कुमार झा (एडवोकेट) द्वारा धन्यवाद संस्था के सचिव दास पुष्कर द्वारा किया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध पार्श्वगायक डा विजय कपूर, सुधीर चौधरी आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

डा सुष्मिता झा को मिथिला रत्न से सम्मानित करते हुए आयुष मंत्री डा दयाशंकर मिश्रा। (छाया: एसबी)

सांसद का भ्रमण कार्यक्रम

एसबी ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूँ। समाजवादी पार्टी के बदायूँ लोकसभा क्षेत्र से सांसद आदित्य यादव शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र बदायूँ आयोजित विभिन्न राजनैतिक व निजी कार्यक्रमों में सम्मिलित होगें। इसके अन्तर्गत शनिवार को प्रातः 9.00 बजे से प्रातः 11.00 बजे बदायूं स्थित (डी.एम. रोड सिविल लाइन) अपने आवास पर आम जनता और सपा कार्यकर्ताओ से मुलाकात व उनकी समस्याओ को सुनेंगे, प्रातः 11.15 बजे विधानसभा क्षेत्र बदायूँ के ग्राम मझिया में सम्राट अशोक पर्यटक स्थल, सूर्यकुण्ड में बौद्ध भिक्षुओं से मुलाकात करेगें, प्रातः 11.45 बजे शहर बदायूँ में चक्कर की सडक वैदो टोला में श्री मौलवी नसीरूद्दीन वरिष्ठ अधिवक्ता, अपराह्न 12.00 बजे ग्राम आरिफपुर नवादा में श्री तयान निजामी (सय्यद मेहन्दी हसन उर्फ इमाम मियां सागर ताल) के परिजनों के निधनोपरान्त उनके घर जाकर शोकाकुल परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करेगें तत्पश्चात अपराह्न 12.30 बजे विधानसभा क्षेत्र बिसौली, कस्बा बिसौली में रानेट चैराह बिसौली स्थित सोतनदी पुल का निरीक्षण करेगें, अपरान्ह 1.00 बजे ग्राम परवेजनगर में श्री रामजीमल (आर्मी जवान शहीद राजेश कुमार), अपराह्न 1.30 बजे ग्राम कौरेरा में महेश यादव पूर्व प्रधान, दोपहर 2.00 बजे ग्राम नहडोली में कल्याण सिंह, अपराह्न 2.30 बजे ग्राम हरदासपुर में अनिल यादव, 3.00 बजे ग्राम सर्वा में ओमवीर यादव प्रधान के परिजनों के निधनोपरान्त उनके घर जाकर शोकाकुल परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करेगें तथा सायं 4.00 बजे नगर पंचायत मुड़िया मे दिनेश भट्ट के यहाँ निजी कार्यक्रम मे शामिल होने' रात्रि विश्राम बदायूँ स्थित अपने आवास (डी0एम0 रोड सि0ला0, बदायूँ) में करेगें।

दिनांक 29 दिसम्बर 2024 को प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक बदायूँ स्थित अपने आवास (डी0एम0 रोड सि0ला0, बदायूँ) में सपा कार्यकर्ताओं तथा आम जनता से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुनेगें तत्पश्चात बिल्सी विधानसभा क्षेत्र में अपरान्ह 12 बजे ग्राम हैदलपुर में ओमपाल, सांय 5.30 बजे ग्राम मटकुली में श्रीपाल सिंह यादव व सायं 6.00 बजे ग्राम पिपरौल में रामचन्द्र कश्यप परिजनों के निधनोपरान्त उनके घर जाकर शोकाकुल परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करेगें।

लक्षद्वीप के चुनाव विभाग ने 2024 के लोकसभा चुनाव को त्रुटिहीन तरीके से आयोजित किया

'84.98% का शानदार मतदान हासिल किया-जो देश में सबसे अधिक है'

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

लक्षद्वीप। भारत के चुनाव आयोग की हाल ही में जारी आम चुनाव, 2024 की सांख्यिकीय रिपोर्ट में, लक्षद्वीप ने भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक उल्लेखनीय सफलता की कहानी लिखी है। भौगोलिक बाधाओं को पार करते हुए, लक्षद्वीप के चुनाव विभाग ने 2024 के लोकसभा चुनाव को त्रुटिहीन तरीके से आयोजित किया और 84.98% का शानदार मतदान हासिल किया-जो देश में सबसे अधिक है। लक्षद्वीप के चुनाव विभाग ने नवीन रणनीतियों और सावधानीपूर्वक योजना में अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते हुए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने केंद्र शासित प्रदेश को भारत के चुनाव आयोग की सांख्यिकीय रिपोर्ट में एक प्रतिष्ठित स्थान दिलाया है, जिससे चुनाव प्रबंधन में उत्कृष्टता के मॉडल के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है।

अरब सागर में बसा, सुरम्य केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में 32 वर्ग किलोमीटर में फैले 36 द्वीप शामिल हैं। यह द्वीप द्वीपसमूह, जिसमें 12 एटोल, 3 चट्टानें, 5 जलमग्न किनारे और 10 बसे हुए द्वीप हैं, तार्किक चुनौतियों का एक अनूठा समूह प्रस्तुत करता है। लक्षद्वीप के द्वीप सीमित परिवहन विकल्पों के साथ भारतीय मुख्य भूमि से 220-440 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित हैं, जिससे कर्मियों और मतदान संसाधनों को जुटाना एक कठिन काम है।

लोकतांत्रिक उत्साह के चकाचौंध प्रदर्शन में, लक्षद्वीप के 55 मतदान केंद्र जीवंत हो गए क्योंकि 49,247 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। 2024 के लोकसभा चुनावों में 84.98% का उल्लेखनीय मतदान हुआ, जो 32 वर्ग किलोमीटर में फैले 36 द्वीपों के अद्वितीय भौगोलिक परिदृश्य के बीच लक्षद्वीप की प्रशासनिक उत्कृष्टता का प्रमाण है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को सुनिश्चित करने के लिए, लक्षद्वीप के चुनाव विभाग ने चुनावों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण तार्किक बाधाओं को पार कर लिया। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) और उपभोग्य सामग्रियों सहित आवश्यक मतदान वस्तुओं को मुख्य भूमि से समुद्र के माध्यम से हेड क्वार्टर द्वीप (कवारत्ती) तक पहुंचाया गया और फिर चार्टर्ड हाई-स्पीड क्राफ्ट (एचएससी) जहाजों का उपयोग करके शेष द्वीपों में वितरित किया गया। एक व्यापक परिवहन योजना ने ईवीएम और मतदान दलों की आवाजाही के लिए समर्पित एचएससी कार्यक्रम सुनिश्चित किए। इस प्रक्रिया में, लक्षद्वीप के सभी द्वीपों तक पहुंचने के लिए मतदान सामग्री और कर्मियों को खुले समुद्र में 1058 किलोमीटर से अधिक की कुल दूरी पर पहुंचाया गया, जिसमें

बित्रा और मिनिकॉय जैसे दूरदराज के द्वीप भी शामिल थे। इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए कि बित्रा द्वीप में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए विस्तृत योजना और जुटान किया गया था, जहां केवल 237 मतदाता हैं।

इसके अलावा, उच्च मतदान प्राप्त करने के लिए, लक्षित मतदाता सहभागिता और शिक्षा पहल की गई। सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों, सूचनात्मक सत्रों और घर-घर अभियान और स्वीप गतिविधियों जैसी नवीन रणनीतियों ने मतदाता पंजीकरण और भागीदारी को प्रोत्साहित किया। बड़े पैमाने पर मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान और व्यापक स्वीप अभियान ने भी उच्च मतदान प्रतिशत में योगदान दिया। एक अभूतपूर्व कदम में, लक्षद्वीप के चुनाव विभाग ने एक पानी के भीतर वीडियो अभियान के साथ अभिनव क्षेत्र में प्रवेश किया, जिससे चुनाव जागरूकता में लहर पैदा हुई और देश का ध्यान आकर्षित हुआ। इस रचनात्मक प्रयास ने मतदाताओं को शामिल करने और लोकतांत्रिक पहुंच की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए लक्षद्वीप की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

चुनाव विभाग ने पहुंच और समावेशिता को प्राथमिकता दी, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी नागरिक अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग कर सकें। सभी मतदान केंद्रों पर रैंप, रेलिंग और व्हीलचेयर सहित सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध थीं, जबकि क्रेच सुविधाएं और चिकित्सा सहायता भी प्रदान की गई थी। लक्षद्वीप की लैंगिक समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए कावारत्ती द्वीप में एक महिला-प्रबंधित मतदान केंद्र स्थापित किया गया था। इससे समाज के कमजोर वर्गों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हुई।

चुनाव विभाग ने एक विस्तृत चुनाव प्रबंधन योजना लागू की, जिसमें जनशक्ति और सामग्री प्रबंधन, बल तैनाती और सुरक्षा, ईवीएम प्रबंधन और प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे प्रमुख पहलुओं को शामिल किया गया। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) को रणनीतिक रूप से तैनात किया गया था, और निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए वास्तविक समय की निगरानी के लिए सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। लक्षद्वीप द्वीप और मुख्यभूमि के बीच सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी के संचालन के बाद, समग्र चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए कई आईटी पहल लागू की गईं। इनमें सीसीटीवी निगरानी, सुविधा ऐप के माध्यम से ऑनलाइन नामांकन जमा करना और आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की रिपोर्ट करने के लिए सीविजिल ऐप शामिल हैं।

लक्षद्वीप के चुनाव विभाग ने लोकतंत्र का एक शानदार उत्सव मनाया, 2024 के लोकसभा चुनाव को एक जीवंत उत्सव में बदल दिया। उल्लेखनीय 84.98% मतदान ने द्वीप की प्रशासनिक उत्कृष्टता, नवीन रणनीतियों और सावधानीपूर्वक योजना को प्रदर्शित किया।

डीएम की अध्यक्षता में संपन्न हुई राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा संबंधी बैठक

एसबी ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूँ। जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए गोदामों से खाद्यान्न का उठान समय से कराने के लिए कहा। उन्होंने ई केवाईसी में जनपद की प्रदेश में 45वीं रैंक होने पर उसमें सुधार लाने के लिए कहा। उन्होंने रोस्टर अनुसार खाद्यान्न का वितरण कराने के लिए भी कहा।

जिलाधिकारी ने बैठक में अनुपस्थित रहे बाट माप अधिकारी से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाट माप अधिकारी खाद्यान्न कांटों तथा गन्ना क्रय केंद्रों में लगाए गए कांटों का प्रमाणीकरण करें। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में होने वाली तहसील स्तर पर विपणन अधिकारी व अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ तथा ब्लॉक स्तरीय सतर्कता समिति की बैठकों के लिए सभी तहसीलों का रोस्टर बनाने के निर्देश भी दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी ठेकेदार शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करें। ठीक प्रकार से कार्य ना करने वाले ठेकेदारों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्धारित मानक अनुसार ही खाद्यान्न का वितरण कराया जाए तथा गोदामों से समय से खाद्यान्न का उठान सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि खाद्यान्न के उठान वाले वाहनों को तिरपाल से ढका जाए तथा किसी भी स्थिति में खराब खाद्यान्न का वितरण कार्ड धारकों को ना किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी शासन के मंशा के अनुरूप कार्य करें तथा मुख्य प्रदर्शन घटक (केपीआई) को ध्यान में रखते हुए कार्य करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन सहित अन्य अधिकारी व ठेकेदार आदि मौजूद रहे।

बकाया टैक्सदारों की संपत्ति को किया गया सील

एसबी संवाददाता

साहिबगंज/झारखंड। नगर परिषद एवं एसपीएस टीम के द्वारा दिए गए नोटिस के आधार पर सामूहिक रूप से कार्रवाई करते हुए ग्रीन होटल के पास डक व्हाइट एवं बैग दुकान की संपत्ति को सील कर दिया गया। वही एसपीएस के एरिया मैनेजर राकेश रंजन ने बताया कि इन लोगों का बकाया लगभग काफी सालो से था नोटिस देने के बावजूद भी इन लोगों के द्वारा बकाया टैक्स का भुगतान नहीं किया जाता था। वही मौके पर सिटी मेनेजर विरेश कुमार, तहसीलदार सोनू मंडल, धीरज कुमार, रवि कुमार सौरभ कुमार, चंदन कुमार, पवन कुमार एवं नगर परिषद के टीम मौजूद थे।

अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ पुलिस का एक्शन

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक अवैध बांग्लादेशी अप्रवासी को निर्वासित कर दिया है जो कथित तौर पर पिछले छह वर्षों से राष्ट्रीय राजधानी में अवैध रूप से रह रहा था। पुलिस द्वारा पहले अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई थी, जिसके माध्यम से उन्होंने 1,500 से अधिक बांग्लादेशी अप्रवासियों की पहचान की और दो को अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले अवैध प्रवासियों की जांच करने के हमारे विशेष अभियान के दौरान हमें एक 28 वर्षीय महिला के बारे में पता चला।

मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना (एक्सटेंसन) के तहत चार ग्राम पंचायतों में पात्र परिवारों को आंबटित किए जाएंगे प्लाट

ग्राम पंचायतों में मिलेगा 100 गज तथा महाग्राम में मिलेगा 50 गज का प्लाटः डीसी प्रीति

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना (एक्सटेंसन) के तहत ग्राम पंचायतों में पात्र परिवारों को प्लाट आबंटित करने के लिए चार गांवों रोहेड़ा, हजवाना, पट्टी अफगान व मानस से 1451 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनका सत्यापन किया जाएगा। संबंधित अधिकारी व कर्मचारी सत्यापन कार्य पारदर्शी तरीके से समयबद्ध पूर्ण करना सुनिश्चित करें। इस कार्य में कोई भी लापरवाही न बरती जाए।

डीसी प्रीति शुक्रवार को लघु सचिवालय में मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना (एक्सटेंसन) विषय पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रही थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना (एक्सटेंसन) के तहत ग्राम पंचायतों में 100 गज तथा महाग्राम में 50 गज के प्लाट आबंटित किए जाएंगे। यह योजना मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा की गई घोषणा के बाद गत 13 अगस्त 2024 को शुरू की गई थी, जिसके तहत 30 सितंबर 2024 तक पोर्टल खोला गया था। इसमें जिला में चार पंचायतों राजौंद खंड के गांव रोहेड़ा, पूंडरी खंड के गांव हजवाना तथा कैथल खंड के गांव पट्टी अफगान व मानस के 1451 आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्राप्त हुए 1451 आवेदनों का सत्यापन पारदर्शी तरीके से की जाए, इसके लिए कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें गांव का सरपंच, वार्ड का पंच, नंबरदार, पटवारी व ग्राम सचिव शामिल हैं। योजना का लाभ उठाने के लिए निर्धारित नियमों में आवेदनकर्ता की आय एक लाख 80 हजार रुपये से कम हो, परिवार पहचान पत्र में हरियाणा निवासी हो, पक्का मकान नहीं हो, पिछले 20 सालों में प्रियदर्शनी आवास योजना, इंदिरा आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण तथा मकान व प्लाट से संबंधित केंद्र व राज्य की अन्य स्कीम का कोई लाभ नहीं लिया होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर एक निगरानी कमेटी भी गठित है, जिसमें डीसी को अध्यक्ष, एडीसी को सदस्य, सीईओ को सदस्य सचिव, डीडीपीओ सदस्य, डीआरओ सदस्य, बीडीपीओ सदस्य व बैंकर्स कमेटी के सदस्य शामिल हैं। सत्यापन कार्य पूर्ण होने के बाद पात्र परिवारों की सूची मुख्यालय भिजवाई जाएगी।

इस मौके पर एडीसी दीपक बाबू लाल करवा, जिला परिषद की डिप्टी सीईओ रितू लाठर, बीडीपीओ अन्नू टोंक के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सांपन खेड़ी व नरड़ में पनप रही अवैध कालोनी में चला डीटीपी का पीला पंजा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला नगर योजनाकार राजकीर्ति ने बताया कि विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से कैथल के अधीन सांपन खेड़ी व नरड़ में पनप रही अवैध कालोनी में बने रोड नेटवर्क पर तोड़-फोड़ की कार्यवाही की गई। इस कार्रवाई के दौरान डीटीपी कार्यालय का अमला पुलिस बल के साथ अवैध निर्माण को हटाने के लिए जेसीबी मशीन सहित घटना स्थल पर पहुंचा और अवैध कालोनी में अवैध रुप से बनी रोड नेटवर्क व चार दिवारी हटाई।

जिला नगर योजनाकार राजकीर्ति ने बताया कि कार्यालय के संज्ञान में कैथल के अधीन सांपन खेड़ी व नरड़ में अवैध कालोनी काटने का मामला आया है, जिसके उपरांत कार्यालय द्वारा भूस्वामियों और प्रॉपर्टी डीलरों को एचडीआर एक्ट 1975 की धाराओं के तहत नोटिस जारी करके निर्माण विकसित करने के लिए जरूरी अनुमति प्राप्त करने बारे आदेश दिए गए थे। परंतु भू-स्वामियों द्वारा न तो मौके पर बनाए जा रहे अवैध निर्माण को रोका गया और न ही विभाग से किसी प्रकार की अनुमति के लिए आवेदन किया गया।

तदनुसार कार्यालय द्वारा एचडीआर एक्ट 1975 के प्रावधानों के अनुसार जिला प्रशासन के सहयोग से तोड़-फोड की कार्रवाई अमल में लाई गई। इस अवसर पर जिला नगर योजनाकार द्वारा आम लोगों को आगाह किया गया कि वह सस्ते प्लाटों के चक्कर में प्रॉपर्टी डीलरों के बहकावे में आकर अवैध कालोनी में प्लाट आदि न खरीदे तथा न ही किसी प्रकार का निर्माण करें।

जमीन की खरीद करने से पहले इस कार्यालय से कॉलोनी की वैधता/अवैधता बारे पूर्ण जानकारी प्राप्त कर लें।

मेडिकल स्टोर एसोसिएशन की मीटिंग लेकर एसपी राजेश कालिया ने दिया उचित दिशा निर्देश

प्रतिबंधित दवाई ना बेचे कोई दुकानदारः एसपी राजेश कालिया

एसबी संवाददाता

कैथल। शुक्रवार की सुबह एसपी ऑफिस कैथल में पुलिस अधीक्षक राजेश कालिया की अध्यक्षता में जिले की मेडिकल स्टोर एसोसिएशन के साथ एक मीटिंग आयोजित की गई। इस मीटिंग में उपरोक्त एसोसिएशन के पदाधिकारियों/ सदस्यों को वर्तमान हालातों को मध्यनजर रखते हुए सुरक्षा के नजरिये से तथा नशा मुक्त अभियान तहत एसपी द्वारा महत्वपूर्ण निर्देश/सुझाव दिए गए। इस दौरान एसपी राजेश कालिया ने मीटिंग में एसोसिएशन के पदाधिकारियों/सदस्यों को निर्देश/ सुझाव देते हुए कहा कि सभी मेडिकल स्टोर पर उच्च क्वालिटी के कैमरे लगाएं, ताकि नकदी चोरी व छीनाझपटी की घटना पर अंकुश लगाया जा सके। मेडिकल स्टोर संचालक पुलिस विभाग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पूर्ण सहयोग कर नशा मुक्त समाज बनाने में अहम भूमिका निभाए। किसी भी सूरत में दवाइयों का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए तथा कोई भी मेडिकल स्टोर संचालक प्रतिबंधित नशीली दवाई ना बेचें। अगर कोई एसा करता है तो उसकी सूचना पुलिस को दें। मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध दवाई व बेची गई दवाइयों को रिकॉर्ड दुरुस्त रखें। अगर मेडिकल स्टोर पर कोई व्यक्ति नशे से संबंधित दवा खरीदने आता है और संदिग्ध प्रतीत होता है तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ उठाएं किसानः डीसी

31 दिसंबर तक करें आवेदन

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि रबी सीजन के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत आवेदन करने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर 2024 है। किसान 31 दिसंबर तक बैंक में प्रीमियम कटवाकर अपना आवेदन कर सकते हैं। कोई भी ऋणी किसान अगर इस योजना में शामिल नहीं होना चाहता है तो वह बैंक में अपनी असहमति देकर स्कीम से बाहर रह सकता है।

डीसी ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में गेहूं की फसल के लिए किसान को 459.2 रुपए प्रति एकड़, चना के लिए 225.75 रुपये प्रति एकड़, सरसों के लिए 308.2 रुपए प्रति एकड़, जौ के लिए 292.67 रुपए प्रति एकड़ और सूरजमुखी की फसल के लिए किसान को 311.35 रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से प्रीमियम जमा करवाना होगा।

उन्होंने बताया कि सहकारी बैंकों में तो ऋणी किसान का प्रीमियम फसल बीमा योजना के लिए स्वतः उसके खाते से काट लिया जाता है। यदि कोई सहकारी बैंक का उपभोक्ता किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में शामिल नहीं होना चाहता है तो वह अपनी असहमति पत्र बैंक को दे सकता है। निजी व राष्ट्रीयकृत बैंकों में फसल बीमा योजना के लिए किसान को खुद अपने खाते से बीमा प्रीमियम की राशि कटवानी होगी। उन्होंने कहा कि फसल बीमा योजना में किसान की फसल किसी प्रकार की प्राकृतिक आपदा जैसे ओलावृष्टि, फसल की महामारी, जलभराव या आकाशीय बिजली के कारण खराब हो जाती है तो उसे क्षतिपूर्ति राशि कंपनी की ओर से दी जाएगी।

वहीं कृषि उप निदेशक डॉ वजीर सिंह ने बताया कि किसान को फसल खराब होने के बाद 72 घंटे के अंदर इसकी सूचना क्रॉप इंश्योरेंस एप, अपने क्षेत्र के कृषि अधिकारी या फिर टोल फ्री नंबर 14447 पर देना जरूरी है। इस योजना के बारे में किसान कृषि विभाग से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह स्कीम सभी किसानों के लिए उपलब्ध है।

राजौंद क्षेत्र में रूक-रूक कर हो रही बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त

किसानों के चेहरे खिले, पर नगर की गलियां, सड़कें, बाजार जलमग्न

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद क्षेत्र में शुक्रवार सुबह से रूक-रूक कर हो रही बारिश से मौसम में ठंडक बढ़ गई। नगर की सड़कें, गलियां, बाजार जलमग्न नजर आए। नगर की गलियों में सिवरेज पाइप लाइन दबाने का कार्य चलने से स्थित और भी दयनीय हो गई है।

नगर के बाजार से ग्राहक गायब रहे। बहुत जरूरी काम होने पर ही नागरिक घरों से निकल रहे हैं। बारिश, सर्दी व गलियों में कीचड़ से जन जीवन ठहर सा गया है।

इस समय बारिश होना किसानों के लिए सकून देने वाला है। किसान, सूरज, रमेश, दीपक, प्रीतम, शमशेर, रवि, काला राम, जोगिंद्र ने बताया कि गेहूं की फसल के लिए बारिश व सर्दी बहुत लाभदायक सिद्ध होगी। इस बारिश से गेहूं की फसल के पौधों में बढ़ोतरी होगी, जो गेहूं की पैदावार में इजाफा करेगी।

मुख्यमंत्री ने गांवों में जलापूर्ति बढ़ाने के लिए साइफन और क्रॉस रेगुलेटर के पुनर्निर्माण हेतु किए 147.88 लाख रुपये किये मंजूर

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बनारसी डिस्ट्रीब्यूटरी में साइफन और क्रॉस रेगुलेटर के पुनर्निर्माण के लिए 147.88 लाख रुपये मंजूर किए हैं। सरकार द्वारा उठाये गए इस कदम का उद्देश्य जल प्रवाह में लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को हल करना और क्षेत्र के कई गांवों को लाभ पहुंचाना है।

इस परियोजना से गांव खानपुर, हेबटका, मरोदा, कोरा बास, झिमरावत, मरोदा बास, बसी, पुथली, जलालपुर, फिरोजपुर दहर, इमामनगर, मोहम्मद सरल अकलीमपुर, बुखारका, भादस, करहेड़ी, करकेरा, जेतका अकलीमपुर, राजाका, उलेटा, घागस, नोटकी, नगीना आदि को लाभ मिलेगा।

आरडी 15750 पर साइफन के संकरे मुंह के कारण, बहता हुआ मलबा अक्सर फंस जाता है, जिससे नहर में पानी भर जाता है और पंप हाउस तक पानी नहीं पहुंच पाता। इससे नहर के अंतिम छोर तक पानी की आपूर्ति भी बाधित होती है, जिससे निचले इलाकों के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। साइफन के पुनर्निर्माण से यह बाधा दूर होगी, जिससे जल प्रवाह समुचित ढंग से होगा और पानी की बर्बादी रुकेगी। इसके अतिरिक्त, बनारसी डिस्ट्रीब्यूटरी के आरडी 47650 पर एक क्रॉस रेगुलेटर की आवश्यकता है ताकि शादीपुर माइनर में जल स्तर बढ़ाया जा सके। इस व्यवस्था से पानी शादीपुर माइनर के अंतिम छोर के गांवों तक पहुंच सकेगा, जिससे इन क्षेत्रों में सिंचाई की जरूरतें पूरी होंगी।

साइफन के पुनर्निर्माण की अनुमानित लागत 48.07 लाख है, जबकि क्रॉस रेगुलेटर के निर्माण पर 99.81 लाख खर्च होने का अनुमान है। साथ में, ये परियोजनाएं समान जल वितरण के साथ किसानों को राहत प्रदान करेंगी, और पूरे क्षेत्र में कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देंगी।

इन परियोजनाओं का उद्देश्य अंतिम छोर के क्षेत्रों में जलापूर्ति उपलब्ध कराना है, जिससे हजारों लोगों को सीधा लाभ होगा। इससे न केवल लंबे समय से चली आ रही सिंचाई संबंधी समस्याओं का समाधान होगा, बल्कि गांवों में फसल की पैदावार बढ़ेगी।

किकबॉक्सिंग के पुरोधा संतोष कुमार अग्रवाल सम्मानित

चंडीगढ़। फरीदाबाद स्थित जे.सी.बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.सुशील कुमार तोमर ने किकबॉक्सिंग के पुरोधा एवं अंतर्राष्ट्रीय कोच संतोष कुमार अग्रवाल को सम्मानित किया। श्री तोमर ने 'हरियाणा किकबॉक्सिंग संघ' स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य पर संस्थापक महासचिव एवं वाको इंडिया किक बॉक्सिंग संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार अग्रवाल को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें उज्जवल भविष्य की मंगल कामना देते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। श्री अग्रवाल ने विश्वविद्यालय के संचार क्लब टीम को दिल्ली में 1 से 5 फरवरी, 2025 तक होने वाले चतुर्थ वाको इंडिया ओपन इंटरनेशनल किकबॉक्सिंग टूनामेंट के लिए निमंत्रण भी दिया। श्री अग्रवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय के मीडिया विभाग के विद्यार्थी एवं संचार क्लब हमारे सभी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हमारा सहयोग करते हैं। फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, प्रेस रिलीज, सोशल मीडिया प्रबंधन जैसे सभी मीडिया संबंधित कार्य पूरी निष्ठा से करते हैं।

देश ने एक कुशल राजनीतिक और अर्थशास्त्री को खोयाः सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की।यहां जारी शोक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह जी के निधन से देश ने न केवल एक कुशल राजनीतिक बल्कि देश सेवा के लिए समर्पित व्यक्तित्व और कुशल अर्थशास्त्री को खोया है। उन्होंने कहा कि पंजाब के एक साधारण से परिवार एवं छोटे से गांव से भारत के अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री बनने का सफर उनके समर्पण व देश की सेवा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह जी को हमेशा ही सादगी और विद्वता के लिए याद किया जाएगा। देश के विकास के लिए किए गए आर्थिक फैसलों में उनका योगदान हमेशा अविस्मरणीय रहेगा।

साहिबजादों ने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अत्यधिक साहस और बलिदान का परिचय दियाः मेघा भंडारी

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। वीर बाल दिवस पर माता प्रकाश कौर श्रवण एवं वाणी निशक्तजन कल्याण केंद्र करनाल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरियाणा श्रवण एवं वाणी निशक्तजन कल्याण समिति पंचकूला हरियाणा की चेयरपर्सन मेघा भंडारी ने मुख्य रूप से शिरकत की।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए चेयरपर्सन मेघा भंडारी ने साहिबजादों की वीरता और बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि यह दिन खासतौर पर गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों की शहादत से जुड़ा हुआ है, जिन्होंने अपनी छोटी उम्र में धर्म और देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। वीर बाल दिवस का उद्देश्य बच्चों में देशभक्ति, साहस, और अपने कर्तव्यों के प्रति जिम्मेदारी का भाव उत्पन्न करना है। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह के छोटे बेटे साहिबजादा अजीत सिंह, साहिबजादा जुझार सिंह, साहिबजादा फतेह सिंह और साहिबजादा अर्जुन सिंह ने मुगलों के खिलाफ संघर्ष किया और अपनी शहादत दी। उन्होंने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अत्यधिक साहस और बलिदान का परिचय दिया, जो आज भी भारतीय समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

साहिबजादे अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह की कहानियां हमें हमेशा प्रेरित करती रहेंगी।

करावल नगर विधानसभा में दिलचस्प होगा मुकाबला

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अगले साल होने जा रहे चुनाव में करावल नगर विधानसभा सीट पर मुकाबला दिलचस्प होने जा रहा है। इस विधानसभा क्षेत्र में उत्तराखंड और पूर्वांचल से बड़ी संख्या में आये प्रवासी मतदाता अपना प्रभाव रखते हैं। करावल एक तरफ यूपी बॉर्डर से सटी हुई है। तो वहीं, दूसरी तरफ इसका एक बड़ा हिस्सा यमुना खादर से लगा हुआ है। इस विधानसभा के तहत सभापुर, चौहान बांगर, सादतपुर और बदरपुर खादर सहित कई अन्य गाँवों के अलावा एक दर्जन से अधिक अवैध कॉलोनियां आती हैं। इस विधानसभा के 80 प्रतिशत क्षेत्र के तहत आने वाली अवैध कॉलोनियों में रहते हैं। इसलिए इनकी चुनावी जीत हार में महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

इस विधानसभा के तहत आने वाले कई बड़े गांवों के अलावा सोनिया विहार, भगत सिंह कॉलोनी, खजूरी, सादतपुर एक्सटेंशन, अणुव्रत विहार, मुकुंद विहार, तुकमीरपुर एक्सटेंशन, दयालपुर एक्सटेंशन और श्रीराम कॉलोनी सहित एक दर्जन से अधिक कॉलोनियां आती हैं। क्षेत्र में 2.98 लाख वोटर्स में से लगभग 1.80 लाख पूर्वांचल वोटर हमेशा से ही निर्णायक भूमिका में रहे हैं। इसके अलावा 20,000 उत्तराखंड के वोटर्स भी हैं।

करावल के तहत आने वाली अवैध कॉलोनियों में 80 प्रतिशत आबादी रहती है। यहां टोटल वोटर्स में से पूर्वांचल के मतदाताओं की संख्या 60 फीसदी के करीब बताई जाती है। इसलिए इसे पूर्वांचल वोटर्स बाहुल्य वाली सीट माना जाता है। किसी भी उम्मीदवार ही जीत हार में पूर्वांचल वोटर्स हमेशा से ही निर्णायक भूमिका में रहे हैं। इसके अलावा यहां उत्तराखंडी और वेस्टर्न यूपी के वोटर्स की संख्या भी अच्छी खासी है। इसलिए 1993 से लेकर अब तक पूर्वांचल वोटर्स फैक्टर ही हावी रहा है।

यहाँ आबादी के हिसाब से विकास नहीं हो पाया है। ज्यादातर कॉलोनियों के अलावा ग्रामीण इलाकों में भी गंदे पानी की निकासी को बड़े मुद्दे के रूप में देखा जा रहा है। इस वजह से निचले इलाकों में गंदा पानी जमा रहता है। इसके अलावा की इलाकों में पीने का पानी आज तक भी लोगों के घरों तक नहीं पहुंच पाया। लोग टैंकर के भरोसे रहते हैं। क्षेत्र में मेडिकल सुविधाओं का अभाव है। सोनिया विहार साइड में क्षेत्र के एक बड़े हिस्से को सिंगल रोड वजीराबाद रोड से जोड़ती है। इस रोड को लंबे समय से डबल किए जाने की मांग की जा रही है।

साल 1993 से अब तक हुए सात विधानसभा चुनाव में यहां छह बार बीजेपी और एक बार आम आदमी पार्टी चुनाव जीती है। सबसे पहले यहां रामपाल करहाना ने बीजेपी के टिकट पर चुनाव जीता था। इसके बाद 1998 से 2013 तक लगातार बीजेपी के मोहन सिंह बिष्ट चुनाव जीतते आ रहे हैं। 2015 में 'आप' के कपिल मिश्रा ने उन्हें हारा दिया। 2020 में फिर बीजेपी मोहन सिंह बिष्ट पर दांव खेला और उन्होंने अपनी हार का बदला 'आप' के दुर्गेश पाठक को करारी शिकस्त देकर लिया था।

चुनावी इतिहास और आंकड़ों के हिसाब से इस सीट को बीजेपी की सीट माना जाता है।

सूचना

जिला कैथल से नव वर्ष 2025 के शुभ अवसर पर अपने निजी, संस्थान, विभाग के शुभकामना संदेश, विज्ञापन सामान्य शुल्क पर लगवाने के लिए सम्पर्क करें।

दैनिक संजना भारती समाचार पत्र

जिला ब्यूरो प्रमुख कैथलः **निर्मल कुमार**

9466309795

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संजना भारती समाचार पत्र, RNI Registered है।

भारत सरकार व हरियाणा सरकार के पैनल पर है।

मीडिया में काम करने वाले, अनुभवी को प्राथमिकता दी जाएगी।

चयनित आवेदकों को आई कार्ड व प्रमीशन पत्र/ DIPRO लैटर जारी किया जाएगा।

इच्छुक आवेदक

फोटो सहित कम्पलीट बायोडाटा/आवेदन

चीफ सम्पादकः दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली के नाम पर **कार्यालय वाटसेप नम्बरः 94663-09795 पर भेजें।**

सरदार वल्लभ भाई पटेल होलसेल कपड़ा मार्केट में व्यापारियों से मिले विधायक जगमोहन आनंद

कपड़ा व्यापारियों ने विधायक जगमोहन आनंद के समक्ष रखी मांगें

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। विधायक जगमोहन आनंद ने सरदार वल्लभ भाई पटेल होलसेल मार्केट में कपड़ा व्यापारियों से मुलाकात की। इस दौरान कपड़ा व्यापारियों ने उनके समक्ष कपड़ा मार्केट से जुड़ी विभिन्न मांगे रखी। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द इस संबंध में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात करके, इन मांगों को उनके समक्ष रखा जाएगा और समाधान करवाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल होलसेल मार्केट करनाल की सबसे पुरानी मार्केट में से एक है। यहां बैठे सभी कपड़ा व्यापारियों ने मार्केट से जुड़े कुछ मुद्दे रखे हैं। उन्होंने तत्काल अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए और जल्द से जल्द समाधान करवाने का आश्वासन दिया। इसके साथ-साथ उन्होंने यह भी कहा कि करनाल की जनता से जुड़ी समस्याओं व मांगों को पूरा करना उनकी पहली प्राथमिकता है। करनाल की जनता ने उन्हें विधायक बनाकर जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे कर्मठता के साथ पूरा करूंगा। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी और करनाल के सांसद व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में विकास कार्यों को और गति मिलेगी। आने वाले दिनों में करनाल शहर के अंदर सभी क्षेत्रों में विकास कार्य किए जाएंगे। इसके साथ-साथ नगर निगम से जुड़ी जो भी समस्याएं हैं, उन्हें लेकर तय समय पर निगम के अधिकारियों के साथ बैठक की जा रही है, शहरवासियों की जो भी समस्याएं होंगीं उनका तत्काल समाधान करवाया जाएगा।

इस अवसर पर हरीश त्रिखा, प्रमोद गुप्ता, सुखमिंद्र पाल मनोचा, हितेश मनोचा, राम चंद्र अरोड़ा, परमजीत सिंह, पवन मित्तल, राम चंद्र पसरीचा, पवन ग्रोवर, प्रेम गुम्बर, सचिन बत्रा, रविंद्र गुम्बर, अमित गोयल, रवि कुमार, महेश दुआ, राम कुमार सिंधवानी व अन्य व्यापारी मौजूद रहे।